No. of Printed Pages : 6

MPA–007

POST GRADUATE DIPLOMA IN DISASTER MANAGEMENT (PGDDM)

Term-End Examination

December, 2024

MPA–007 : REHABILITATION, RECONSTRUCTION AND RECOVERY

Time : 2 Hours *Maximum Marks : 50*

Note : *Attempt any **five** of the following questions in about **400** words each selecting at least **two** questions from each Section. All questions carry equal marks.*

Section—I

1. Explain the relevance of community participation in disaster management and development. 10

2. Discuss the role of information dissemination in disaster management. 10

3. Examine the nature of damage to houses during earthquakes. 10

4. "Traditional disaster resistant construction techniques still hold significance in India." Comment. 10

5. Write short notes on the following in about **200** words each :

   (a) Rebuilding Civil Society 5

   (b) Reconstruction requirements 5

Section—II

6. "Countering panic through counselling is important in dealing with victim's psyche in the aftermath of disasters." Elaborate. 10

7. Analyse the role of non-governmental organizations in post-disaster recovery phase. 10

8. What are the major constraints in monitoring and evaluation ? 10

9. Discuss the need to incorporate local needs in rehabilitation process. 10

10. Write short notes on the following in about **200** words each :

    (a) Role of DISKNET in disaster management 5

    (b) Livelihood and employment restoration programme in Odisha 5

MPA–007

आपदा प्रबन्धन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

(पी. जी. डी. डी. एम.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

एम.पी.ए.-007 : पुनर्वास, पुनर्निर्माण और पुनरुत्थान

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर लगभग* ***400*** *शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग में से* ***दो*** *प्रश्न अवश्य कीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

भाग—I

1. आपदा प्रबन्धन तथा विकास में सामुदायिक सहभागिता की प्रासंगिकता की व्याख्या कीजिए। 10

2. आपदा प्रबन्धन में सूचना प्रसार की भूमिका की चर्चा कीजिए। 10

3. भूकम्प में आवासों को होने वाली क्षति के स्वरूप का परीक्षण कीजिए। 10

4. "भारत में आपदारोधी निर्माण की परम्परागत तकनीकों का अभी भी महत्व है।" टिप्पणी कीजिए। 10

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर लगभग **200** शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

   (क) नागरिक समाज का पुनर्निर्माण 5

   (ख) पुनर्निर्माण सम्बन्धी आवश्यकताएँ 5

भाग—II

6. "आपदाओं के पश्चात्, पीड़ितों की मन:स्थिति में निपटने के लिए परामर्श के माध्यम से भय का सामना करना महत्वपूर्ण है।" विस्तृत वर्णन कीजिए। 10

7. आपदा पश्चात् पुनरुत्थान चरण में गैर–सरकारी संगठनों की भूमिका का विश्लेषण कीजिए। 10

8. पर्यवेक्षण और मूल्यांकन में आने वाली कठिनाइयाँ क्या हैं ? 10

9. पुनर्वास प्रक्रिया में स्थानीय आवश्यकताओं के समावेशन की चर्चा कीजिए। 10

10. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर लगभग **200** शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) आपदा प्रबन्धन में राष्ट्रीय प्राकृतिक आपदा ज्ञान नेटवर्क (डिस्कनेट) की भूमिका 5

(ख) ओडिशा में आजीविका तथा रोजगार पुनर्निर्माण कार्यक्रम 5

× × × × × × ×